भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान
ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research
मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P)
फोन/Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फैक्स/Fax : 0121-288 8546
मोबाईल /Mobile : 91-9436731850; ईमेल/Email: directoriifsr@yahoo.com

दिनांक– 14.09.2017

कृषि प्रणाली संस्थान में हिंदी पखवाड़े का शुभारम्भ

भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ में दिनांक 14.09.2017 को हिंदी पखवाड़े का शुभारम्भ हुआ। संस्थान के निदेशक व राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष डा. आजाद सिंह पँवार ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। अपने संबोधन में डा. आजाद सिंह पँवार ने किसानों, कृषि व देश की तरक्की हेतु हिंदी भाषा के उपयोग को आवश्यक बताया। उन्होंने बताया कि भारत के अलावा विश्व के अन्य देशों में जो लोग हिंदी बोलते हैं उनकी संख्या एक करोड़ से भी कम है। भारतवर्ष की जनसंख्या एक अरब पैंतीस करोड़ के लगभग होने के बावजूद भी यहाँ पर हिंदी बोलने वालों की संख्या केवल 50 करोड़ के आस पास ही सीमित है। अतः हिंदी को जन–जन की भाषा बनाने हेतु हमें अथक प्रयास करने होंगे। चूँकि हमारा कृषि प्रणाली संस्थान व कृषि से जुड़े अन्य संस्थान जिस क्षेत्र में शोध कार्य कर रहे हैं उनके अंतिम लाभार्थी किसान हैं और हिंदी भाषा के माध्यम से ही कृषि में विकसित नवीन तकनीकों को किसानों तक सफतापूर्वक पहुँचाया जा सकता है। अतः उन्होंने सभी वैज्ञानिकों से कृषि शोध के परिणामों व तकनीकों को हिंदी के माध्यम से ही प्रकाशित करने की सलाह दी। निदेशक महोदय ने जनसामान्य से भी अपने दैनिक जीवन में राजभाषा हिंदी के प्रयोग करते समय गर्व का अनुभव करने की अपील की जिससे हिंदी व देश के प्रगति में तेजी लायी जा सके। डा. प्रेम सिंह प्रधान वैज्ञानिक ने सभी अतिथियों व कर्मियों का स्वागत करते हुए देश की प्रगति में हिंदी भाषा के उपयोग को अपरिहार्य बताया।

कृषि प्रणाली संस्थान में 14–28 सितंबर 2017 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया जायेगा। इस दौरान प्रत्येक दिन संस्थान के अलग–अलग श्रेणी के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए निबंध

लेखन, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन, हिंदी सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, आशुभाषण, श्रतुलेख (इमला), हिंदी में शोध पत्र पोस्टर प्रदर्शन, स्वरचित काव्य पाठ व वर्ष 2016–17 के दौरान हिंदी में सर्वाधिक कार्य करने आदि प्रतियोगितायें करायी जायेंगी व सभी वर्ग के विजयी प्रतिभागियों को उचित पुरस्कार देकर सम्मानित किया जायेगा जिससे कार्यालय कर्मियों मे हिंदी के प्रयोग के प्रति अभिरूचि पैदा हो सके और उनका उत्साहवर्धन भी हो।

उद्घाटन कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारियों व कर्मचारियों के अतिरिक्त यहाँ पर "जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने हेतु संरक्षण कृषि" विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन स्कूल में देश के नौ विभिन्न राज्यों से आये हुए प्रतिभागियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डा. चन्द्रभानु ने किया। डा. पी. सी. जाट ने धन्यवाद ज्ञापित किया। डा. एन. सुभाष, श्री आर. बी. तिवारी, व डा. डी. दत्ता आदि का सहयोग रहा।

हिंदी पखवाड़ा
14 - 28 सितम्बर 2017
भाकृअनुप - भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान
मोदीपुरम, मेरठ - 250110
14.09.2017 14:23